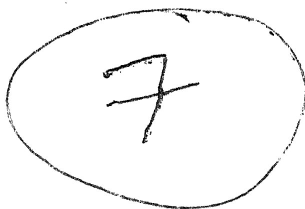


शि
वा
लो
क

री शिवप्रसाद त्रिपाठी